विद्या भवन बालिका लिद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् विषय संस्कृत विषयशिक्षक श्यामउदय सिंह

ता: 17-04-2021 (एन.सी.ई.आर.टी. पर आधारित)

- श्लोक

  हरिततरुणां ललितलतानां माला रमणीया ।
  कुसुमावलि: समीरचालिता स्यान्मे वरणीया ।।
  नवमालिका रसालं मिलिता रुचिरं संगमनम् ।
  शुचि ...।।

- शब्दार्थ ललिततलतानाम् –सुन्दर लताओं की , समीर चालिता -हवा से हिलाई गई

  हरिततरुणां - हरे भरे पेडो की ,,माला–पंक्ति ,रमणीया - सुन्दर
  कुसुमावलि: -फूलों की , मिलिता –प्राप्त हो
  वरणीया –वरण करने योग्य ,नवमालिका -नई पंक्ति संगमनम् - मेल

- अर्थ - हरे भरे वृक्षों की ,सुंदर लताओं की सुंदर माला हवा से हिलाई गई फूलों की पंक्ति मेरे लिए सुंदर हो आम की नई पंक्ति रुचि पूर्वक प्राप्त हो शुद्ध पर्यावरण ही हमारी शरण है।